क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मोदी उद्योग समूह के प्रत्येक निदेशक तथा प्रबन्धक के नाम में वित्तीय वर्ष 1967-68, 1968-69, 1969-70 में आय कर की कितनी राशि बकाया थी;

(ख) सरकार द्वारा उक्त अवधि में प्रत्येक से आयकर की कितनी राशि वसूल की गई ; और

(ग) उनमें से प्रत्येक के नाम पर अभी भी आय-कर की कितनी राशि बकाया है और सरकार द्वारा उक्त राशि को वसूल करने के लिए क्या कार्यवाही किए जाने का विचार है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ग). वित्तीय वर्ष 1967-68, 1968-69 तथा 1969-70 के दौरान मोदी उद्योग समूह में कई निदेशक तथा प्रबन्धक थे। इन निदेशकों और प्रबन्धकों का कर-निर्धारण कई अलग अलग आयुक्तों के कार्यक्षेत्रों में होता है तथा इसलिए मांगी गई सूचना इकट्ठी करने में बहुत अधिक समय और श्रम लगेगा। यदि माननीय सदस्य किसी निदेशक / प्रबन्धक विशेष के बारे में सूचना चाहते हों तो वह दी जा सकेगी।

अफीम का पकड़ा जाना

97. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री वंश नारायण सिंह :
श्री शारदा नन्द :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के अधिकारियों ने जून, 1970 के उत्तरार्ध में शाहाबाद जिले में सोंहनिया पड़ताल चौकी (चेक-पोस्ट) पर बड़ी मात्रा में अफीम पकड़ी थी ;

(ख) यदि हां तो वह कितनी मात्रा में और कितने मूल्य की थी; और

(ग) इस संबन्ध में कितने व्यक्ति गिरफ्तार किए गए और उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) जी, हां।

(ख) लगभग 3,372/- रूपए मूल्य की 84·3 किलोग्राम अफीम परन्तु अवैध बाजार में इसकी बहुत ऊँची कीमत मिलेगी।

(ग) अभी तक कोई गिरफ्तारियां नहीं की गई है।

मोदी उद्योग समूह का आय कर निर्धारण

98. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री वंश नारायण सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1967, 1968 और 1969 के वित्तीय वर्षों के दौरान मोदी उद्योग समूह पर आय-कर की कितनी राशि निर्धारित की गई ;

(ख) इन वर्षों में उनसे कितना आय-कर वसूल किया गया ;

(ग) क्या यह सच है कि मोदी उद्योग समूह पर काय-कर की बहुत बड़ी राशि बकाया है; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में उन पर कितनी राशि बकाया है और इसकी वसूली के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) से (घ). अपेक्षित सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है। एकाधिकार जांच आयोग की रिपोर्ट, 1965 में यथा उल्लिखित मोदी उद्योग समूह के बारे में वित्तीय वर्ष 1967-68, 1968-69 तथा 1969-70 के सम्बन्ध में सूचना इकट्ठी की जा रही है और उसे यथा-संभव शीघ्र ही सभा पटल पर रख दिया जायगा ।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन, रवीन्द्र रंगशाला तथा मावलंकर सभा भवन (आडिटोरियम) को किराये पर देना

99. श्री बन्श नारायण सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने 1 जनवरी, 1967 से अब तक वर्षवार कितनी-कितनी बार नई दिल्ली के विज्ञान भवन, रवीन्द्र रंगशाला और मावलंकर सभा भवन (आडिटोरियम) को सरकारी, अर्ध-सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों को किराये पर दिया; और

(ख) उक्त अवधि में वर्ष-वार कुल कितनी राशि किराये के रुप में प्राप्त हुई ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री परिमल घोष) : (क) और (ख). सूचना का एक विवरण संलगन है ।

विवरण

सरकार ने 1, जनवरी, 1967 से 30, जून, 1970 तक कितनी-कितनी बार विज्ञान भवन, रवीन्द्र रंगशाला और मावलंकर सभा भवन को सरकारी, अर्ध-सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों को किराये पर दिया तथा उनसे वर्षवार कुल कितनी राशि प्राप्त हुई ।

भवन का नाम	वर्ष	जिसे किराए पर दिया			कुल	प्राप्त राशि रुपये
		सरकारी	अर्ध-सरकारी	गैर-सरकारी		
विज्ञान भवन	1967	188	22	23	233	70,161.97
	1968	159	10	22	191	1,03,280.64
	1969	284	19	50	317	75,304.71
	1970	88	13	36	137	62,196.26
रवीन्द्र रंगशाला						
	1969	—	1	15	16	7,720.00
	1970	1	—	9	10	8,425.00

* रवीन्द्र रंगशाला का उद्घाटन अक्तूबर, 1968 में हुआ था ।